I

Lecture Series No:- 12.

Online class.
Date - 11/7/2020.
Day - Saturday
Time - 10 to 10:30 A.M

Topic,

(1.) Leibnitz.

Dr. Surita Kumari
Depart. of Philosophy
B.A Part - I
Paper - II (H.)
A.N.D. College Shahpur
Patory.

Ans. :→

Leibnitz के Monads या चित्-बिन्दुओं की तुलना Spinoza के द्रव्य से की गई है। प्रत्येक बिन्दु शाश्वत और अपने में पूर्ण है, क्योंकि प्रत्येक में सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड निहित है और इसमें विराट विश्व है। चूँकि इसमें आदि अन्त सभी है इसलिए इसे हम भूत और

भविष्य कुछ भी कह सकते हैं। अर्थात् इसमें बीती हुई सभी दशाएँ सुरक्षित हैं

और भविष्य में होनेवाले सभी सम्भवनाएं बीज - रूप में

P.T.O.

Scanned with CamScanner

विद्यमान है। प्रत्येक Monads अपने आप में स्वावलम्बी तथा स्वतन्त्र सत्ता है।

इसलिए (सभी) स्वावलम्बी तथा स्वतंत्र सत्ता है, इसलिए किसी Monads को दूसरे की आवश्यकता नहीं होती है न एक-दूसरे पर निर्भर रहता है और न इनमें किसी प्रकार का आदान-प्रदान सम्भव है। Monads पूर्णतः गवाक्षहीन (Windowless) है।

प्रश्न उठता है कि यदि Monads गवाक्षहीन है तो इनके बीच परस्पर सम्बन्ध को हम कैसे व्यक्त कर सकते हैं,

क्योंकि वास्तविक चिजों में पारस्परिक आदान-प्रदान देखने में आता है, जिसे Monads Monadology को स्पष्ट करना चाहिए Leibnitz के अनुसार प्रत्येक Monads आत्माश्रयी तथा

P.T.O.

अनाश्रित निर्भर है और ऐसा न मानने से उसकी स्वतन्त्र तथा स्वावलम्बी सत्ता पर प्रश्नचिन्ह लग जायेगा। पर गवाक्षहीन रहने पर भी इनमें से प्रत्येक में दो समान लक्षण हैं, जिनके कारण हमें आभासित होता है कि उनमें

साक्षात सम्बन्ध है।

- प्रत्येक Monad में perception और Appetition शक्तियाँ हैं, और इन दो सामान्य लक्षणों के आधार पर विश्व की सभी वस्तुओं के आपसी सम्बन्ध को स्पष्ट किया जा सकता है

Perception के कारण प्रत्येक Monad में सभी असंख्य Monad की दशाओं को प्रतिबिम्बित करता है, और प्रयास न शक्ति के कारण प्रत्येक Monad की अपनी दशाओं में क्रमबद्ध विकास होता रहा है। चूंकि असंख्य Monads हैं। etc...

END.

Scanned with CamScanner